

## श्याम की किरपा | By Vikas Gupta

खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार  
इसकी दया के कारण आज सुखी मेरा परिवार

हार गया था श्याम प्रभु तब जाके तेरा दरबार मिला  
दया निधि दयावान दयालु तुझसा पालनहार मिला  
अपने साये में रखा सदा तूने लखदातार  
खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार

पतझड़ से जीवन में खिला दिए तूने रंग बिरंगे फूल  
हर गलती को माँक कर दिया समझ के मेरी पहली भूल  
ना छोड़ना बीच भवर में थामे रहना मेरी पतवार  
खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार

तेरे इस दरबार की शोभा सारे जग से न्यारी है  
तेरा जैसा देव ना दूजा तू तो बड़ा दातारि है  
रूबी रिधम से प्रेम बढ़ाया बाबा मुझपे तेरा उपकार  
खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%aa%e0%a4%be-by-vikas-gupta/>